



भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi

Website : www.rbi.org.in

ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in



संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001

Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai-400001 फोन/Phone: 022- 22660502

15 जून 2023

**तिमाही बीएसआर-1: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का
बकाया ऋण – मार्च 2023**

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने 'तिमाही आधारभूत सांख्यिकी विवरणियाँ (बीएसआर)-1: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का बकाया ऋण, मार्च 2023' शीर्षक से अपना वेब प्रकाशन, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस (डीबीआई) नामक अपने पोर्टल¹ (वेब-लिंक: <https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=BsrPublications>) पर जारी किया। विस्तृत खाता-स्तरीय जानकारी के आधार पर, यह बैंक ऋण की विभिन्न विशेषताओं यथा उधारकर्ता का व्यवसाय/ गतिविधि और संगठनात्मक क्षेत्र, खाते के प्रकार और ब्याज दरों को प्रस्तुत करता है। 89 एससीबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़े, बैंक समूहों, जनसंख्या समूहों और राज्यों के लिए प्रस्तुत किए गए हैं²।

मुख्य बातें:

- बैंक ऋण संवृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) पिछले एक वर्ष में बढ़ी और मार्च 2023 में 15.9 प्रतिशत (एक वर्ष पहले 10.7 प्रतिशत) रही।
- 2022-23 के दौरान सभी जनसंख्या समूहों ने दो अंकों की ऋण संवृद्धि को बनाए रखा; मार्च 2023 में महानगरीय केंद्रों में स्थित बैंक शाखाओं की कुल ऋण में हिस्सेदारी 62 प्रतिशत थी।
- व्यक्तिगत ऋण खंड हाल के वर्षों में समग्र बैंक ऋण संवृद्धि को संचालित कर रहा है: इसमें मार्च 2023 में 19.7 प्रतिशत (एक वर्ष पहले 16.5 प्रतिशत) की संवृद्धि दर्ज की गई। कुल ऋण में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी पांच वर्ष पहले के 21.5 प्रतिशत और दस वर्ष पहले के 16.0 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2023 में 28.6 प्रतिशत हो गई।

¹ सारांश परिणाम, जो 'एससीबी की जमा और ऋण पर तिमाही सांख्यिकी' {मूल सांख्यिकीय रिटर्न (बीएसआर) - 7 रिपोर्टिंग से संकलित} पर जारी नियमित डेटा के एक भाग के रूप में जारी किए जा रहे थे, अब बीएसआर-1 (ऋण) और बीएसआर-2 (जमा) विवरण से तैयार किए जा रहे हैं; युक्तिकरण के एक भाग के रूप में, दिसंबर 2022 के बाद बीएसआर-7 विवरणी को बंद कर दिया गया है।

² मार्च 2023 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के लिए पाक्षिक फॉर्म-ए रिटर्न (भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 42 (2) के अंतर्गत संकलित) पर आधारित सकल डेटा का प्रकाशन पहले हमारी वेबसाइट (होम> सांख्यिकी> जारी आंकड़े>पाक्षिक-भारत में अनुसूचित बैंकों की स्थिति का विवरण) पर किया गया था और चुनिंदा प्रमुख बैंकों द्वारा रिपोर्ट किए गए मार्च 2023 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय परिनियोजन पर समग्र स्तर का मासिक डेटा भी वेबसाइट (होम>सांख्यिकी> जारी आंकड़े >मासिक> बैंक ऋण का क्षेत्र-वार अभिनियोजन) पर जारी किया गया था।

- बढ़ती आर्थिक गतिविधियों के साथ, औद्योगिक ऋण संवृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) मार्च 2023 में एक वर्ष पहले के 4.8 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गई; कार्यशील पूंजी ऋण की मांग भी बढ़ी (मार्च 2023 में 18.5 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि)।
- व्यक्तियों के लिए ऋण के भीतर, महिला उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी उत्तरोत्तर बढ़ रही है: यह मार्च 2023 में 22.9 प्रतिशत (पांच वर्ष पहले 20.6 प्रतिशत) थी।
- 2022-23 के दौरान वृद्धिशील ऋणों में निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत थी; मार्च 2023 में कुल ऋण में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 39.0 प्रतिशत हो गई, जो एक वर्ष पहले 38.1 प्रतिशत और पांच वर्ष पहले 30.2 प्रतिशत थी।
- राज्यों में, महाराष्ट्र ने कुल बैंक ऋण में सबसे अधिक (28.2 प्रतिशत) हिस्सेदारी बनाए रखी, इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली (10.9 प्रतिशत) और तमिलनाडु (9.1 प्रतिशत) का स्थान रहा।
- जनवरी-मार्च 2023 के दौरान बकाया ऋण पर भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएएलआर) में 26 आधार अंकों (बीपीएस) और अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान 117 बीपीएस की वृद्धि हुई।